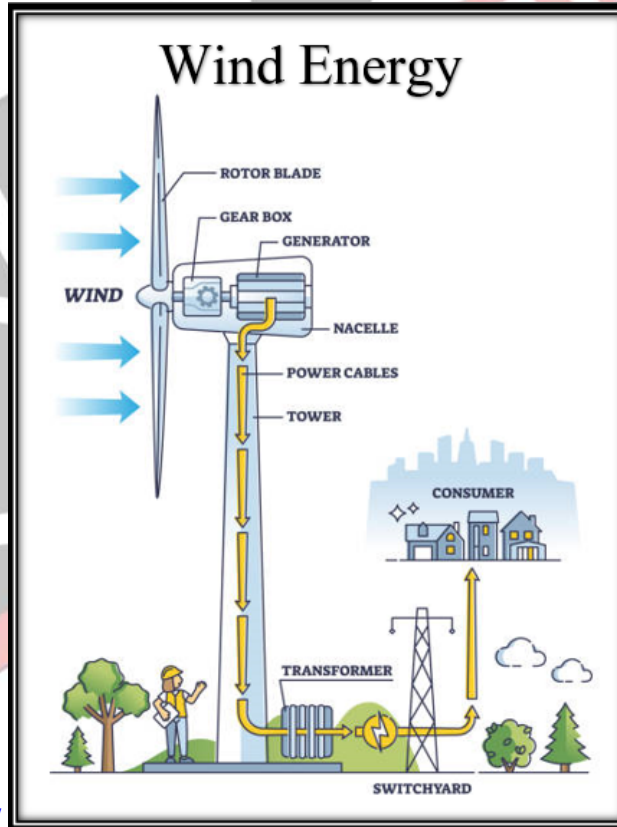


वैश्विक पवन दविस 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

15 जून, 2024 को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) ने “पवन-ऊर्जा: भारत के भविष्य को सशक्त बनाना” के केंद्रीय वषिय के साथ ‘वैश्विक पवन दविस’ (Global Wind Day 2024) का आयोजन किया।

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय पवन ऊर्जा क्षेत्र की सफलता का जश्न मनाना तथा भारत में पवन ऊर्जा को अपनाने में तीव्रता लाने के तरीकों पर चर्चा करना था।
- मई 2024 तक भारत की संचयी स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 46.4 गीगावाट (चीन, अमेरिका तथा जर्मनी के बाद दुनिया में चौथी सबसे बड़ी) है।
- वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा संसाधनों से अपनी वदियुत ऊर्जा की स्थापित क्षमता का 50 प्रतिशत और वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने के भारत के पर्यासों के लिये पवन ऊर्जा महत्त्वपूर्ण घटक है।
- गुजरात, कर्नाटक तथा तमलिनाडु भारत में पवन ऊर्जा उत्पादक अग्रणी राज्य हैं।



और पढ़ें: [भारत की पवन ऊर्जा क्षमता](#)

